वार्तालाप 447, सिंहोर (एम.पी), ता. 21.11.2007
Disc.CD-447, dated 21.11.2007 at Sehore (Madhya Pradesh)

समय– 0.26 से 3.23
जिज्ञासु– बाबा एडवांस में आने के बाद जो आत्मायें विकार में जाती है उनकी क्या गति होगी?
बाबा– पूछने की बात है? बाप विकार में ले जाने आये हैं या निर्विकारी बनाने आये हैं?
जिज्ञासु– बाप तो निर्विकारी बनाने आयें हैं।
Time: 0.26-3.23
Student: Baba, what will be the fate of the souls which indulge in lust after coming in advance (knowledge)?
Baba: Is it something to be asked about? Has the Father come to take us to the path of lust or to make us vice less?
Student: The Father has come to make us vice less.

बाबा– हां तो अगर कोई बाप के ही मत के बरखिलाफ चलेगा, तो नीचे जायेगा या ऊपर जायेगा? (किसी ने कहा – नीचे जायेगा।) नीचे जाने का क्या मतलब है? (किसी ने कहा– पद भ्रष्ट हो जायेगा।) पद भ्रष्ट होने का क्या मतलब है? ऊँची कुर्सी से नीची कुर्सी पे आ जायेगा? कोई कुर्सियां बनी हुई हैं एक के उपर एक, एक के ऊपर एक? क्या पद भ्रष्ट हो जावेगा?
जिज्ञासु– जो बाबा ने डायरैक्ट नर से नारायरण बनने का लक्ष्य दिया है, वो नहीं बन पायेंगे।
Baba: Yes, so, if someone acts against the direction of the Father, will he go down or will he rise? (Someone said – He will go down.) What is meant by going down? (Someone said – the post will be degraded.) What is meant by the degradation of post? Will he shift from a higher chair to a lower chair? Are there any chairs, placed one above the other, one above the other? What post will be degraded?
Student: He will not be able to achieve the goal given to us by Baba to transform directly from a man to Narayan.

बाबा– नारायण नहीं बनेगा? अच्छा नारायण नहीं बनेगा नारायण का बच्चा बन जायेगा? अरे विश्वमहाराजन न बने, विश्वमहाराजन का बच्चा बन जाये, तो कोई कम बात है क्या? नहीं समझ में आया? विश्वमहाराजन का बच्चा वास्तव में कौनसी आत्मा बनती है? ब्रह्मा बाबा। अगर ब्रह्माबाबा जैसे भी कर्म किये तो भी बहुत अच्छा हैं। क्या? ब्रह्मा उर्फ कृष्ण की आत्मा की महिमा राम की आत्मा की महिमा से कोई कम नहीं हैं। पद नीचे गिर जाने का मतलब ये है कि दूसरे धर्मों में आत्मा कन्वर्ट होनेवाली बन जाती हैं। नीचे–नीचे धर्मो में जाके गिरेंगे। और जितने ही नीचे धर्मो में जाके गिरेंगे उतना ही धर्म की धारणायें बहुत नीची होंगी। यथा राजा तथा प्रजा बन जावेंगे।
जिज्ञासु– तो फिर वो आत्मा उसके बाद में और पुरूषार्थ नहीं कर सकती?
Baba: Will he not become Narayan? OK, what if he does not become Narayan, and becomes the child of Narayan? Arey, if he does not become a world emperor *(vishwa maharajan)*, if he becomes the child of a world emperor, is it a less achievement? Did you not understand? Which soul actually becomes the son of the world emperor? Brahma Baba. Even if someone performs actions like Brahma Baba it is very good. What? The glory of Brahma alias the soul of Krishna is not less than the glory of the soul of Ram. Degradation of post means they become souls who convert to other religions. They will fall into other lower religions. And the lower the religion in which they fall, the lower will be their religious inculcations. They will follow the proverb 'as the king so shall be the subjects'.
Student: So, then can't that soul make more special effort for the soul *(purusharth)* after that?

बाबा– जब दृढ़ता धारण कर ले तभी से पुरूषार्थ कर सकती है। जब अन्जाम करे, तौबा तौबा करे। ये तो अपनी–अपनी दृढ़ता की बात हैं; लेकिन क्या किया जाय, बनी बनायी बन रही है; लेकिन अच्छे संकल्प करेंगे तो अच्छा हो जावेगा। समझना चाहिए कि हमने 63 जन्म में कुछ जन्मों तक नीचे गिरने की शूटिंग की। बाद में हमने कुसंग त्याग दिया। श्रेष्ठ संग ले लिया। हमारी सुधर गयी। तो अभी भी सुधर सकती हैं।

Baba: He can make special effort for the soul from the time when he makes a determination, when he makes a resolution, when he repents. It depends on the determination of every individual, but what can be done? Whatever has already been fixed is being enacted. But if we create good thoughts, it will result in good. We should think that we performed the shooting of downfall for a few births out of the 63 births. Later on we renounced the bad company *(kusang)*. We kept righteous company. Our life reformed. So, it can reform even now.

समय–6.54 से 9.15

जिज्ञासु– बाबा ट्रांन्सलाईट का चेहरा, बाबा ने कहा अभी मुरली में कहा कि तुम बच्चों के ऐसे चेहरे बन जायेंगे कि ट्रान्सलाईट का चेहरा बन जायेगा। तो बाबा क्या साढ़े चार लाख आत्माओं का बनेगा कि 108 का बनेगा या 16108 का बनेगा? कि 8 का बनेगा?

Time: 6.54-9.15

Student: Baba, a *translight* face; Baba said just now in the *Murli*, the faces of you children will become like a translight. So, Baba, will the faces of four and a half lakh (450 thousand) souls become (like translight) or the faces of 108 or of 16108 or of 8?

बाबा– ट्रान्सलाईट माने शीशे मिसल। शीशे जैसे चेहरे दिखायी देने लगे। किसी का चेहरा देखते ही अपनी आत्मा की स्टेज का भी दर्पण हो जाये, देखना हो जाये और जिसके चेहरे को देख रहे है उसकी ऊँचाई का भी पता लग जाये। जैसे बाबा कहते हैं मधुबन है शीश महल। शीशे का महल है। मधुबन में जाने मात्र से ही जैसे शीशे में अपना और पराया क्लिअर हो जाता है, ऐसे क्लिअर हो जाता है और बाप है बड़े ते बड़ा आरसी। बाप के सामने कोई का भी पुरूषार्थ, कोई कितना भी दिखावा करने की कोशिश करे, छिप नहीं सकता। अच्छे ते अच्छा पुरूषार्थी कौन है और घटिया पुरूषार्थी कौन है वो प्रत्यक्ष हो जायेगा। ऐसे ही जो ट्रान्सलाईट के चेहरे बनेंगे वो उन आत्माओं के बनेंगे जो विनाश में शरीर से और आत्मा से बरकरार रहेंगे।

Baba: *Translight* means like a mirror. The faces should appear like a mirror. Just by seeing someone's face it should mirror the stage of our soul [i.e.] we should be able to see (our stage in the mirror) and we should also come to know the greatness of the person whose face we are seeing. For example Baba says, *Madhuban* is a palace of mirrors (*sheeshmahal*). It is a palace of mirrors. Just like in a mirror it becomes clear as to who is our own and who is an alien, similarly it becomes clear just by visiting Madhuban. , . And the Father is the greatest mirror (*aarsi*). Nobody's *purusharth* (special effort for the soul) can remain hidden before the Father, however much one may try to show-off. Who is the best *purusharthi* (maker of special effort for the soul) and who is a bad *purusharthi* will be revealed. Similarly, the faces of *translight* which will become ready will be of those souls who will survive destruction by their body and soul.

जिज्ञासु– तो साढ़े चार लाख होती है ना?

बाबा– साढ़े चार लाख कहां होती है? साढ़े चार लाख में दूसरे धर्म के बीज नहीं हैं? जो दूसरे धर्म के बीज हैं। उनपे कड़क छिलका चढ़ा हुआ है या हल्का छिलका चढ़ा हुआ है? (किसी ने कहा – कड़क।) वो आदि में ही उतर जायेगा या अंत में जाके उतरेगा सन् (20)36 तक? अंत में उतरेगा। तो जो छिलका ही अंत तक उतरेगा तो ट्रान्सलाईट के कितने टाईम के लिए बनेंगे? (किसी ने कहा – थोड़े टाईम के लिए) थोड़े टाईम के लिए अगर ट्रान्सलाईट के बन

गये, तो घटिया धर्म वालों के लिए अपनी प्रत्यक्षता करेंगे। सारे दुनियाँ के सामने उनकी प्रत्यक्षता नहीं होगी।

Student: So, four and a half lakh souls become such ones (with face like *translight*), don't they?

Baba: Do the faces of four and a half lakh souls become like translight? Are the seeds of other religions not included among four and a half lakhs? Are the seeds of other religion covered by a hard peel or by a soft peel? (Someone said – hard.) Will that be removed in the very beginning or will it be removed in the end, i.e. by the year (20)36? It will be removed in the end. So, when the peel will be removed in the end, then for how long will they become *translight*? (Someone said: for a short period) If they become translight for a short period, then they will reveal themselves for the people belonging to the poor quality religions. They will not be revealed before the entire world.

समय–10.48 से 11.45

जिज्ञासु– बाबा मुरली में बोला है कि बड़े–बड़े राजा महाराजा बने थे उनको राजाई करना किसने सिखाया? बाप ने सिखाया। लेकिन आजकल जो राजा बने हैं जैसे शिवराज सिंह, मनमोहन सिंह इनको राजाई करना किसने सिखाया?

बाबा– कौन–कौन?

जिज्ञासु– इस समय वर्तमान समय।

बाबा– वर्तमान में राजा हैं? कि आज राजा बनते हैं और दो–पांच वर्ष के बाद नीचे उतार के जूते मारने लगते है? ये राजाई है या कांटो का ताज है? या डकैती है? राजायें बनते हैं मोस्टली या डकैत बनके बैठ जाते हैं? (किसी ने कहा – डकैत है।) तो झूठी राजाई लेनी है? बुद्धि कहां जाती है? बाबा ने तो बोला है, तुमको राष्ट्रपति पद मिले तो भी तुम थूक मारेंगे। इतना नशा होना चाहिए।

Time: 10.48-11.45

Student: Baba, it has been asked in the *Murlis*, who taught the big kings and emperors to rule? The Father taught them, but those who have become kings nowadays, like Shivraj Singh, Manmohan Singh, who taught them to rule?

Baba: Who all?

Student: Now, in the present time.

Baba: Are there kings in the present time? Or do they become kings today and after two to five years they are made to step down and beaten with shoes? Is this kingship or a crown of thorns? Or is it robbery? Do they mostly become kings or do they become dacoits and sit? (Someone said – they are dacoits.) So, do you want to obtain a false kingship? Where does your intellect wander? Baba has said that even if you receive the post of a President, you will spit at it (reject it). You should feel so intoxicated.

समय– 24.34 से 26.17

जिज्ञासु– बाबा राम और कृष्ण की आत्मायें 84 जन्म लेती हैं, तो जो 84 जन्मों के नाम कैसे पता चलते हैं? राम और कृष्ण की आत्माओं के यदि नाम पता करना हो 84, तो कैसे पता कर सकते हैं?

बाबा– मुरली के प्वाईंट एड करते जाओ नाम पता चलते जायेंगे। जैसे मुरली में बोला है, शास्त्रों में अपनी–अपनी कथा कहानियाँ लिख दी हैं। क्या? शास्त्रों में, जो लिखनेवाले हैं शास्त्रों के, उन्होंने शास्त्रों में अपनी ही कहानी लिख दी है। इसका मतलब जो सूरसागर लिखा है, वो किसने लिखा है? सूरसागर में कृष्ण की कथा–कहानी है। किसने लिखी? ब्रह्मा की सोल ने। एक जन्म क्लिअर हो गया ना सूरदास का। राम ने रामायण लिखी। द्वापरयुग में वाल्मीकी ने लिखी और कलियुग में तुलसीदास ने लिखी। तो राम के ये दो जन्म क्लिअर हो जाते है ना! कि द्वापर युग में वाल्मीकी बनता है और कलियुग में तुलसीदास बनता हैं।

Time: 24.34-26.17
Student: Baba, the souls of Ram and Krishna take 84 births; so how can we know the names of their 84 births? If we wish to find out the 84 names of the souls of Ram and Krishna, how can we find out?
Baba: Go on adding the *Murli* points, you will go on finding the names. For example, it has been said in the *Murli*, people have written their own stories in the scriptures. What? In the scriptures, the writers of the scriptures have written their own stories in the scriptures. It means, who has written *Soorsagar* (a book)? *Soorsagar* contains the story of Krishna. Who wrote it? The soul of Brahma. (Thus) one birth (of the soul of Krishna) has become clear as *Surdas*, hasn't it? Ram wrote *Ramayana* (a mythological book). *Valimiki* wrote it *(Ramayana)* in the Copper Age and *Tulsidas* wrote it in the Iron Age. So, these two births of Ram become clear, that he becomes *Valmiki* in the Copper Age and *Tulsidas* in the Iron Age, don't they?

ऐसे–ऐसे ढेर सारे महावाक्य है मुरलियों में। जब रिसर्च होगी गहराई से तो सारी बातें क्लिअर होंगी। और उन आत्माओं के आधारपर उनके फॉलोअर्स के भी पार्ट क्लिअर हो जायेंगे। कौन–कौन उनके नजदीकी हैं? जितना गुड़ डालेंगे उतना मीठा होगा। जितना ईश्वरीय सेवा में तन खपायेंगे, मन खपायेंगे, धन खपायेंगे, समय लगायेंगे, संकल्प शक्ति लगायेंगे उतना–उतना बाप की याद पक्की होती जायेगी।
There are numerous such sentences in the *Murlis*. When a deep research is made on them, all the issues will become clear. And on the basis of those souls, the parts of their followers will also become clear, who are the ones close to them. The more you add jaggery (sweet), the sweeter it will be. The more you invest your body, your mind, your wealth, your time, [and] your power of thoughts in the service of God, the more the remembrance of the Father will become firm to that extent.

समय– 26.27 से 28.14
जिज्ञासु– बाबा विजयमाला का मणका रानी मक्खी जब निकलेगी तो ढेर सारी मक्खियां उनके पीछे आयेगी तो वह भट्ठी करेंगी बाबा?
बाबा– क्यों नहीं करेंगी?
जिज्ञासु– तो बाबा, वो क्या रूद्रमाला के बच्चे बन जायेंगे क्या भट्ठी करेंगे तो?
बाबा– रूद्रमाला के मणकों को विजयमाला में एड कर लेंगे। रूद्रमाला के मणके विजयमाला में पिरोये जायेंगे। जैसे पुरानी परम्परा में जो कन्यायें होती थी वो राजाओं का वरण करती थी। माला गले में डाल देती थीं। तो जैसे कि वरमाला रूद्रमाला के मणकों के गले में नम्बरवार पिरोई जाती रहेगी। रूद्रमाला के मणके विजयमाला में पिरोये जायेंगे, जो निर्विकारी बनते जायेंगे।
Time: 26.27-28.14
Student: Baba, when the bead of the rosary of victory *(Vijaymala)*, the queen bee emerges, a lot of bees will follow her; so, will they do *bhatti*, Baba?
Baba: Why not?
Student: So Baba, when they undergo *bhatti*, will they become the children of the *Rudramala* (the rosary of Rudra)?
Baba: The beads of *Rudramala* will be added to the *Vijaymala*. The beads of the *Rudramala* will be threaded into the *Vijaymala*. For example, in the old tradition, the virgins used to choose a king (to marry). They used to put garland around his (the selected king's) neck. So, it is as if the garland will be put around the neck of the beads of *Rudramala* number wise. The beads of the *Rudramala* will be threaded into the *Vijaymala* and they (beads of Rudramala) will go on becoming vice less.

जिज्ञासु– तो भट्ठी रूद्रमाला और विजयमाला की दोनों की साथ चलती रहेगी?
बाबा– भट्ठी? भट्ठी एक बार होती है या बार–बार होती है?
जिज्ञासु– हां एकबार होती है तो ये रूद्रमाला के भट्ठी के बाद ही विजयमाला की भट्ठी होगी या क्या होगा?
बाबा– रूद्रमाला के मणके पहले तैयार होते हैं या विजयमाला के पहले तैयार होते हैं?
जिज्ञासु– रूद्रमाला के तैयार होते हैं।
बाबा– रूद्रमाला के तैयार हो गये, भट्ठी तो उनकी हो गयी। विजयमाला तैयार होगी तो वो भी एडवांस ज्ञान लेंगे, उनकी भी भट्ठी चलेगी।
Student: So, will the *bhatti* of (the souls of the) *Rudramala* and (the souls of the) *Vijaymala* go on simultaneously?
Baba: *Bhatti*? Does *bhatti* take place once or again and again?
Student: Yes, it takes place once. So, will the *bhatti* of (the souls of the) *Vijaymala* take place only after the *bhatti* of (all those of the) *Rudramala*?
Baba: Do the beads of *Rudramala* become ready first or do the beads of *Vijaymala* become ready first?
Student: The beads of *Rudramala* become ready first.
Baba: When the beads of *Rudramala* have become ready, their *bhatti* is over. When the *Vijaymala* becomes ready, they will also obtain the advance knowledge; their *bhatti* will also be organized.

जिज्ञासु– बाबा भट्ठी कितने करेंगे टोटल लोग?
बाबा– रूद्रमाला कितनी होगी? (किसी ने कहा– सवा दो लाख।) तो विजयमाला कितनी होगी? (किसीने कहा – सवा दो लाख।) फिर क्या पूछना? (किसी ने कहा– इसके बाद कोई नहीं करेंगे?) टाईम ही नहीं रहेगा करने का। भट्ठा ही बैठ जावेगा।
Student: Baba, totally how many people will do *bhatti*?
Baba: How big will be the *Rudramala*? [Someone said – 2.25 lakhs (225 thousand)]. So, how big will be the *Vijaymala*? (Someone said – 2.25 lakhs.) Then what is the need to ask? (Someone said – will nobody do *bhatti* after that?) There will not be any time to do *bhatti* at all. Everything will be over.

समय– 28.20से 28.30
जिज्ञासु– बाबा मुरली चलते समय नींद क्यों आती है आत्माओं को?
बाबा– ऐसा–ऐसा काम किया होगा, सत्संग में विघ्न डाले होंगे।
Time: 28.20-28.30
Student: Baba, why do souls feel sleepy when the *Murli* is being narrated?
Baba: They might have performed such (negative) tasks; they might have created obstacles in a spiritual gathering *(sangathan).*

……

Note: The words in italics are Hindi words. Some words have been added in the brackets by the translator for better understanding of the translation.